LOK SABHA

Wednesday, June 23, 1971/Asadha 2, 1893 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[Mr. Speaker *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

चौथी पंचवर्षीय योजना के सम्बन्ध में विशेषज्ञों के साथ परामर्श

*662. श्री राम चन्द्र विकल : क्या योजना मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चौथी पंचवर्षीय योजना के सम्बन्ध में जिन विशेषज्ञों के साथ परामर्श किया गया है, उनके नाम क्या हैं ;

(ख) कृषि के सम्बन्ध में किन विशेषज्ञों के साथ परामर्श किया गया है ; और

(ग) चौथी पंचवर्षीय योजना को कब तक अन्तिम रूप दे दिया जाएगा ?

योजना मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मोहन धारिया) : (क) अलग-अलग दो सूचियां, एक जिसमें उन विशेषज्ञों के नाम दिए गए हैं जिनका परामर्श योजना आयोग ने चौथी पंचवर्षीय योजना को अन्तिम रूप देने के सम्बन्ध में लिया है और दूसरी जिसमें उन विशेषज्ञों के नाम दिए गए हैं जिनसे परामर्श इस समय किये जा रहे चौथी योजना के मूल्यांकन में अभी तक लिया जा चुका है ; सभा पटल पर प्रस्तुत हैं ।[ग्रन्थालय में रख दी गईं । देखिये संख्या LT—503/71]

(ख) चौथी पंचवर्षीय योजना को अन्तिम रूप देने के सम्बन्ध में जिन कृषि विशेषज्ञों का परामर्श लिया गया था उनके नाम सभा पटल पर रखी गई सूची (क) और (ख) में दिये गए हैं। [ग्रन्थालय में रख दी गई । देखिये संख्या LT—503/71]

(ग) चौथी पंचवर्षीय योजना को 1970 के आरम्भ में अन्तिम रूप दिया गया था और उसका प्रकाशित प्रपत्र मई, 1970 में सभा पटल पर प्रस्तुत किया गया था । चौथी योजना का मूल्यांकन किया जा रहा है ।

श्री राम चन्द्र विकल : योजना का जो मूल्यांकन किया जाना अभी बाकी है, उसको अन्तिम रूप कब तक आप दे देंगे ?

योजना को पहले प्रारम्भिक रूप में बनाया जाता है और फिर उसका मूल्यांकन किया जाता है । मैं जानना चाहता हूं कि इन दोनों में विशेष कौन सा अन्तर है ? क्या कुछ योजनाए रोक दी जाती हैं और कुछ नई ले ली जाती हैं हाथ में ?

श्री मोहन धारिया : चौथी पंचवर्षीय योजना जो सभा पटल पर दी गई है वह पूरी योजना ही है । लेकिन दो साल बीत जाने के बाद हमने जो हाथ में योजना ली है, उसमें से कौन से कार्यक्रम पूरे हो चुके हैं, कौन से नहीं हुये हैं और हमने जो लोगों के साथ वायदा किया है, उसको पूरा करने के लिए कौन से बदल होने चाहियें, इस बारे में हम जो उनके विचार या परामर्श ले रहे हैं, जिस वक्त वह हो जाएगा, वह योजना का मूल्यांकन होगा । यही फर्क है ।

श्री रामचन्द्र विकल : योजना के आरम्भिक

रूप में देखा गया है कि अधिकांश योजनायें सर्वे करके छोड़ दी जाती हैं। साथ ही कुछ और योजनाओं को कुछ चला कर छोड़ दिया जाता है। इससे देश को बड़ी आर्थिक हानि होती है। इसका कारण यह होता है कि योजना आयोग के सदस्य और अर्थ शास्त्री समय-समय पर बदलते रहते हैं।

अध्यक्ष महोदय : आप प्रश्न पूछिये।

श्री राम अवतार विकल : मैं प्रश्न ही पूछ रहा हूँ। योजना आयोग के सदस्यों और विशेषज्ञों की सलाह पहले ली गई थी, थोड़े दिन के बाद उनको बदल दिया गया और जो बाद में आए उनसे ली गई। फिर उनको भी बदल दिया गया और उसके बाद तीसरों से ली गई। इस अदला बदली का अर्थ यह होता है कि हमारी योजना जो पहले चालू की गई थी उसको फिर से बदल दिया जाए। मैं जानना चाहता हूं कि क्या आप कोई स्थायी योजना आयोग बनाने का विचार कर रहे हैं और व्यावहारिक ज्ञान वाले लोगों के द्वारा योजनायें बनवाने का विचार रखते हैं?

श्री मोहन धारिया : योजना का काम तो हमेशा चालू रहता है। कुछ मान्य सिद्धान्तों के अनुसार ही योजना बनाने का काम होता है। इस वास्ते शुरू में उसमें कुछ परिवर्तन भी कर दिये जाते हैं। लेकिन जब योजना बन जाए तो उसको इम्प्लेमेंट करने में हमारी पूरी ताकत लगनी चाहिये। उस रीति से हमने पूरी ताकत नहीं लगाई और कुछ दिक्कत आई। लेकिन फिर भी मैं यकीन दिलाना चाहता हूं कि आज जो हमारे सामने सवाल हैं, जो समस्यायें हैं, उनको हल करने की दृष्टि से जिस तरह के कार्यक्रम हाथ में लेने चाहियें, ऐसे कार्यक्रम हाथ में जरूर लिए जायेंगे।

श्री बी० पी० मौर्य : अब तक योजना का तरीका यह रहा है कि वे शहरों से चलती थीं और देहातों तक पहुंचते-पहुंचते कुछ नहीं रह जाता था। अब आप इसको क्या उलटा करेंगे? क्या देहात से आप इनको शुरू करेंगे? आज भी देश में ऐसे लाखों गांव हैं जिनमें पीने तक का पानी नहीं मिलता है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या अब देहातों से शुरू करके योजनायें शहरों तक जायें, क्या इसको आप करेंगे?

SHRI MOHAN DHARIA : The House would have observed that when the Fourth plan was formulated, old pattern was changed. Now we have adopted district planning and the Fourth plan is based on district plans as they come from below.

श्री भान सिंह भौरा : जो एग्रिकलचरल लेबर है, जो लेंड-लैस पैजेंट हैं, उनके वास्ते क्या आप प्लान में कोई स्पेशल एलोकेशन करेंगे? उनकी अच्छी तरह से तरक्की हो सके, क्या इसके लिए आप कोई प्राविजन करेंगे? पहले एग्रिकलचरल की तरफ तो ध्यान दिया गया है लेकिन एग्रिकलचरल लेबर की तरफ, लैंडलैस पैजेंट्स की तरफ बहुत कम ध्यान दिया गया है।

SHRI MOHAN DHARIA : It is true that agricultural labourers have been neglected and it is high time that land reforms are implemented as suggested by the Planning Commission long time back. While making the appraisal of the Fourth plan, it shall be our endeavour to see that the landless labourers and the working millions do get their proper share in planning.

डा० गोविन्द दास रिछारिया : उत्तर प्रदेश की आबादी सम्पूर्ण देश की आबादी का 17 प्रतिशत है। चौथी योजना को अन्तिम रूप देने से पहले क्या आपने यह निर्णय कर लिया है और इस सिद्धान्त को स्वीकार कर लिया है कि जो रुपया बंटेगा, वह आबादी के लिहाज से बांटा जायेगा?

SHRI MOHAN DHARIA : The National Development Council has given some guidelines on the pattern of the Central

Assistance to the States. Government have accepted those guidelines, according to which 60 per cent of the Central Assistance is distributed on the basis of their population.

Shifting of Telecommunications Channels from Calcutta to Bombay and setting up of Second Satellite Ground Station for International Telecommunication near Delhi

*664. SHRI INDRAJIT GUPTA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether certain international telecommunication channels, operating between Calcutta; on one hand, and Australia, Hongkong and Japan, on the other have been recently been shifted from Calcutta to Bombay;

(b) if so, the reasons for such shifting;

(c) whether the second satellite ground station is gojng to be set up near Delhi for international telecommunication service; and

(d) if so, the reasons why the superior commercial, political, geographical, metereological and other claims of Calcutta in this regard are being over-looked?

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) to (d). A statement givirg the information required is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) and (b). Only overseas traffic being carried through the Satellite Communications Ground Station at Arvi is now being routed *via* Bombay. Other overseas traffic from the Calcutta area continues to be handled by the Calcutta Station of the Overseas Communications Service. The traffic has been shifted to satellite system in order to make available reliable and better quality service to the public.

(c) and (d). Yes. It has been decided to set up a second Satellite Ground Station in the northern region during the Fourth Five Year Plan. This decision is based on traffic considerations, as Delhi region ranks next to Bombay region in over-all range of public international telecommunication traffic.

SHRI INDRAJIT GUPTA: In regard to this satellite communication service, is it not a fact that the existing line being very old and subject to frequent breakdown due to heavy rainfall or cyclonic conditions, the traffic to and from Calcutta has to be routed through Bombay now and is also frequently disrupted and this causes great inconvenience to the public, to business, to trade and commerce and so on? Therefore, is it not desirable that the link up with the satellite communication system should not be only through the station at Arvi but regional ground centres should be set up and Calcutta should have an independent ground station?

SHRI H. N. BAHUGUNA: The proposal to set up a ground station near Calcutta is already under consideration. Delhi and Calcutta are the two places which are on the list. Delhi having a higher traffic than Calcutta was preferred first and the second ground station is coming in Delhi. Bombay had the highest traffic and it was chosen first. Next comes Delhi. The third ground is proposed to be put up somewhere in Calcutta when funds are available.

SHRI INDRAJIT GUPTA: Is it not a fact that before even the Bombay station was set up the foreign experts who were consulted in this matter had adjudged an area near Assansol near West Bengal, to be the best site for the first earth station and is it not a fact that they have suggested this because Calcutta is the country's main centre for expert trade, which has the busiest international air routes, and the whole of South East Asian and Japanese traffic is picked up for the eastern region? Why is it that this export advice was ignored and Bombay was given preference first and even now when the second station is to be set up the claims of Calcutta are being ignored?

SHRI H. N. BAHUGUNA: So far as the expert opinion referred to by my hon. friend, Shri Indrajit Gupta, is concerned, I am sorry to say that I am not aware of that particular advice. But the facts on record show that Bombay has the highest international traffic in terms of the entire telecommunication range-telephone, telex, tele---- and so on and so forth. Thereafter